S-366

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त परिचय

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. मूर्तिपूजा एवं देवपूजन विधान से आप क्या समझते हैं? विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

अथवा

धर्मसूत्र एवं स्मृति का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

2. वेद की परिभाषा देते हुए स्वरूप एवं महत्त्व को परिभाषित कीजिए।

3. वैदिक साहित्य का परिचय दीजिए।

4. पुराण कितने हैं, प्रमुख पुराणों का परिचय दीजिए।

अथवा

पुराण किसे कहते हैं विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. पञ्चांग किसे कहते हैं विस्तार से लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. गृहस्थों के पंच महायज्ञ कौन-कौन हैं? व्यवहारिक रूप में उनका क्या महत्त्व है?

2. षट्कर्म से आप क्या समझते हैं? उल्लेख कीजिए।

अथवा

उपनयन संस्कार क्या है?

3. वेदों के प्रकार व विभाजित भागों का परिचय दीजिए।

4. तिथियों का परिचय दीजिए।

5. तिथियों को कितने प्रकार में बांटा गया है?

6. प्रतिपदा से पञ्चमी तक के तिथियों का परिचय दीजिए।

अथवा

पञ्चांग शुद्धि का महत्त्व लिखिए।

7. अन्नप्राशन का विधान व मुहूर्त लिखिए।

अथवा

कर्ण वेध संस्कार का परिचय एवं मुहूर्त बताएं।

8. नक्षत्रों का परिचय दीजिए।